

कार्यशालाएं एवं क्षमता संवर्धन रूपरेखा

सतत व्यावसायिक विकास एवं शैक्षणिक संवर्धन की संस्थागत संरचना

सारांश

व्यावसायिक विकास ढांचा निरंतर शैक्षणिक संवर्धन पर आधारित है, जिससे शिक्षकों की दक्षता आधुनिक शैक्षणिक मानकों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशानिर्देशों के अनुरूप रहे। एक सुव्यवस्थित बहुस्तरीय दृष्टिकोण के माध्यम से, शिक्षक मिश्रित शिक्षण माध्यमों से प्रतिवर्ष अनिवार्य 50 घंटे के सतत व्यावसायिक विकास के मानक को पूरा करते हैं। यह निरंतरता विद्यालय स्तर पर स्थानीय आंतरिक क्षमता संवर्धन, क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता के नेतृत्व में आयोजित क्षेत्रीय शैक्षणिक कार्यशालाओं, तथा आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (जीएट) भुवनेश्वर द्वारा संचालित विशेष सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समाहित करती है। ये संयुक्त प्रयास शिक्षकों को आधुनिक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी दक्षता, समावेशी शिक्षण पद्धतियों और योग्यता-आधारित शिक्षा प्रणालियों से संपन्न करते हैं, जो प्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों को समृद्ध बनाते हैं।

1. रणनीतिक रूपरेखा एवं मुख्य उद्देश्य

संस्थागत सतत व्यावसायिक विकास रूपरेखा शैक्षणिक उत्कृष्टता, तकनीकी दक्षता और प्रशासनिक तालमेल हेतु एक निरंतर कार्यप्रणाली स्थापित करती है। संस्थागत स्तरों पर संचालित यह रूपरेखा तीन मुख्य उद्देश्यों को पूरा करती है:

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का अनुपालन:** प्रत्येक शिक्षक के लिए प्रतिवर्ष 50 घंटे के सतत व्यावसायिक विकास के अनिवार्य नियम को संस्थागत बनाना, जिससे प्रायोगिक शिक्षण, रचनात्मक मूल्यांकन प्रतिमानों और बहु-विषयक दृष्टिकोणों में प्रवीणता सुनिश्चित की जा सके।
- **स्तरीय दक्षता प्रगति:** प्रशिक्षण पहलों को बुनियादी, विद्यालय स्तर, क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय/आंचलिक स्तरों पर विभाजित करना, ताकि ज़मीनी आवश्यकताओं और रणनीतिक शैक्षिक प्राथमिकताओं के बीच संतुलन बना रहे।
- **कक्षा-कक्ष प्रभाव एवं क्रियात्मक अनुसंधान:** प्रशिक्षण मॉड्यूल्स को प्रत्यक्ष कक्षा शिक्षण, प्रभावी शिक्षण-अधिगम सामग्री के निर्माण और प्रमाणित अधिगम परिणामों में रूपांतरित करना।

2. चार-स्तरीय संस्थागत प्रशिक्षण संरचना

स्तर 1: अनिवार्य सतत व्यावसायिक विकास मानक (50 घंटे) – [राष्ट्रीय / राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020]

आधारभूत मानक]

- प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रति शैक्षणिक सत्र कम से कम 50 घंटे का संरचित सतत व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण पूरा करना।
- दीक्षा तथा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शैक्षणिक मंचों के माध्यम से स्व-गति आधारित परिचयात्मक पाठ्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करना।
- मुख्य दक्षता क्षेत्र: बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान, योग्यता-आधारित शिक्षा, कला-एकीकृत अधिगम और साइबर सुरक्षा।

स्तर 2: विद्यालय स्तरीय आंतरिक क्षमता संवर्धन – [संस्थागत स्तर]

- मासिक सहकर्मों शिक्षण सत्र तथा अंतर-विभागीय सहयोगी पाठ-योजना निर्माण।
- आंतरिक मूल्यांकन प्रारूप, कंप्यूटर प्रयोगशाला उपकरण और डिजिटल श्यामपट्ट के समेकन पर लक्षित कार्यशालाएं।
- विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य, समावेशी शिक्षा और बाल संरक्षण नियमों (पॉक्सो/पॉश) पर संवेदीकरण कार्यक्रम।

स्तर 3: क्षेत्रीय कार्यालय (कोलकाता) के कार्यक्रम – [क्षेत्रीय समन्वय स्तर]

- क्षेत्रीय शैक्षणिक प्रदर्शन की प्रवृत्तियों और बोर्ड परीक्षा रणनीतियों को संबोधित करने वाली विषय-संवर्धन कार्यशालाएं।
- पाठ्यक्रम के मानकीकरण और प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिंट विश्लेषण हेतु संकुल-स्तरीय शिक्षक सम्मेलन।
- केंद्रीय विद्यालय संगठन के दिशा-निर्देशों के एकसमान क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने वाली प्रशासनिक एवं शैक्षणिक निगरानी बैठकें।

स्तर 4: आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (जीएट भुवनेश्वर) के सेवाकालीन पाठ्यक्रम – [उन्नत

शैक्षणिक विशेषज्ञता स्तर]

- औपचारिक आवासीय एवं मिश्रित सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (3 से 12 दिन)।
- मुख्य प्रशिक्षक क्षमता संवर्धन, उन्नत शैक्षिक प्रौद्योगिकी निर्माण और शैक्षणिक नेतृत्व।
- गुणात्मक मूल्यांकन, एसटीईएम शिक्षाशास्त्र और उच्च-स्तरीय विचार कौशल पर केंद्रित क्रियात्मक अनुसंधान कार्यशालाएं।

3. प्रशिक्षण एवं क्षमता संवर्धन सारणी

प्रशिक्षण स्तर	आयोजक संस्था	मुख्य कार्यक्षेत्र	मानक व वितरण स्वरूप
स्तर 1: अनिवार्य प्रशिक्षण	केवीएस / दीक्षा / एनसीईआरटी	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रावधान, बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान, समावेशी शिक्षा, प्रायोगिक शिक्षण	50 घंटे / वर्ष (ऑनलाइन व मिश्रित)
स्तर 2: आंतरिक विद्यालय स्तर	विद्यालय स्तर	सहकर्मि सूक्ष्म शिक्षण, शिक्षण-अधिगम सामग्री निर्माण, डिजिटल श्यामपट्ट, विद्यार्थी कल्याण	मासिक / शैक्षणिक सत्र
स्तर 3: क्षेत्रीय स्तर	क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता	संकुल बैठकें, बोर्ड पाठ्यक्रम समन्वय, विषय-विशिष्ट संवर्धन	सत्रवार कार्यशालाएं
स्तर 4: आंचलिक सेवाकालीन प्रशिक्षण	जीएट भुवनेश्वर	उन्नत सूचना व संचार प्रौद्योगिकी उपकरण, क्रियात्मक अनुसंधान, मुख्य प्रशिक्षक प्रमाणन	चक्रीय (3 से 7 दिन के पाठ्यक्रम)